UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)
उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

B.A. Music (Vocal) 3rd Year Assignment
बी0ए0 संगीत(गायन) तृतीय वर्ष सत्रीय कार्य

Last Date of Submission : 15thMay 2014 जमा करने की अन्तिम तिथि : 15 मई 2014

Course Title : Sangeet Vigyan **Course Code : B.A.M.V.-05/301**
कोर्स शीर्षक : संगीत विज्ञान **कोर्स कोड : बी0ए0एम0वी0–05/301**
Year : 2013-14 **Maximum Marks : 40**
सत्र : 2013–14 अधिकतम अंक : 40

❖ **खण्ड़ क में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।**

खण्ड़ – क

1. थाट को समझाइए एवं पं0 भातखण्डे द्वारा वर्णित थाट के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालिए।
2. मार्गी एवं देशी संगीत को समझाइए तथा इनकी तुलना भी कीजिए।
3. वाग्गेयकार, पंडित, कलावन्त, नायक एवं गायक में से किन्हीं तीन की व्याख्या कीजिए।
4. दक्षिण भारतीय संगीत का संक्षिप्त वर्णन प्रस्तुत कीजिए।
5. पाठ्यक्रम के किन्हीं चार रागों का पूर्ण परिचय दीजिए एवं उनके स्वर विस्तार भी लिखिए।
6. काकु एवं तान का विस्तृत वर्णन प्रस्तुत कीजिए।
7. पाठ्यक्रम की किन्हीं तीन तालों का परिचय देते हुए उनको दुगुन, तिगुन व चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध कीजिए।
8. पं0 व्यंकटमुखी की 72 थाट पद्धति को संक्षेप में समझाइए।

❖ **खण्ड़ ख में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं।**

खण्ड़ – ख

1. आधुनिक काल में संगीत की स्थिति पर प्रकाश डालिए।
2. पाठ्यक्रम के किन्हीं चार रागों में विलम्बित ख्याल व मध्यलय ख्याल को तानों सहित लिपिबद्ध कीजिए।
3. प्राचीन, मध्य एवं आधुनिक काल के विद्वानों के अनुसार श्रुति तथा स्वर की व्याख्या कीजिए।
4. पाठ्यक्रम के किन्हीं तीन रागों में ध्रुपद व धमार को दुगुन, तिगुन व चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध कीजिए।